और पुनरुद्धार प्लान के अंतिम रूप देने में लंबित होने के कारण कार्यशील पूंजी की बाधा इत्यादि की वजह से निवेश की समय पर आपूर्ति होने में बाधा होना शामिल है।

विवरण

भारी उद्योग विभाग के तहत सरकारी क्षेत्र के उन उपक्रमों के नाम जिनके पुनरुद्धार प्लान सरकार/बीआईएफआर के विचाराधीन हैं

क्रम संख्या	सरकारी क्षेत्र के उपक्रम के नाम
1.	हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैन्यु० कंपनी लिमिटेड
2.	बर्न स्टैण्डर्ड कंपनी लिमिटेड*
3.	टायर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
4.	सीमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
5.	प्रागा टूल्स लिमिटेड
6.	नागालैण्ड पल्प एंड पेपर कंपनी लिमिटेड
7.	नेपा लिमिटेड*
8.	साइकिल कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
9.	नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड
10.	माण्डया नेशनल पेपर मिल्स लिमिटेड

* सरकार ने इन उपक्रमों में पुनरुद्धार/पुनर्संरचना प्लान को पहले ही अनुमोदित कर दिया है जो बीआईएफआर की अंतिम सिफारिशों की प्रतीक्षा कर रहे है।

Modernisation of Industrial clusters

2060. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the amount sanctioned and disbursed by Departments of SSI for technology development and modernisation of industrial clusters in India under UNIDO scheme; and

(b) the cluster in West Bengal which has been identified for modernisation and the fund allocated to it?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) The UNIDO cluster development programme in India is a part of a global programme funded by the Italian Ministry of Foreign Affairs and executed by UNIDO. The programme activities started in India in May 1996 and completion is envisaged in December 2000. Besides the activities (seminars/workshops etc.) aiming at transferring the "Cluster development approach" at the national and state level, the programme has developed pilot projects in four clusters, namely Hand-printed Textiles of Jaipur (Rajasthan), Food Industry of Pune (Maharashtra), Cotton Hosiery of Tirupur (Tamil Nadu) and Woollen Knitwear of Ludhiana (Punjab). The amount spent on the programme in India till 31st December, 1998 is approximately US $ 350,000.

(b) There is no cluster in West Bengal that has been identified for modernisation under the programme so far.

लघु उद्योगों पर मंदी का प्रभाव

2061. **श्री ओम प्रकाश कोहली:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या लघु उद्योगों पर मंदी का बहुत बुरा असर पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो क्या देश के सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान 30 प्रतिशत है;

(ग) क्या फेडरेशन ऑफ दि एसोसिएशन्स ऑफ स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष द्वारा लघु उद्योगों के लिए वित्तीय सहायता की मांग की गई है ताकि ऐसे उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका का निर्वाह करने में समर्थ बने रहे; और

(घ) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) लघु उद्योग क्षेत्र में 1995-96, 1996-97 और 1997-98 के वर्षों में उत्पादन की विकास दर क्रमशः 11.40%, 11.32% और 8.43% रही है। इससे प्रतीत होता है कि लघु उद्योग मंदी के कारण बहुत अधिक प्रभावित नहीं हुए हैं।